

डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



चैत्र-बैशाख शक 1944 | अप्रैल 2022 | खण्ड 34 | अंक 4

ISSN: 0971-4405

डी आर डी ओ में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह (एन एस डी-2022) का आयोजन



Theme: Integrated Approach in S&T for Sustainable Future

28
FEB

1430-1630 hrs.



समारोह के मुख्य अतिथि
डॉ एम रविचंद्रन
सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
द्वारा

विज्ञान एवं सशस्त्र बलों के लिए महासागर प्रौद्योगिकी
विषय पर

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान

समारोह की अध्यक्षता
डॉ जी सतीश रेड्डी
सचिव, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग एवं
अध्यक्ष, डी आर डी ओ





प्रकाशन का 34वां वर्ष

मुख्य संपादक : डॉ के नागेश्वर राव
सह मुख्य संपादक : सुमति शर्मा
संपादक : डॉ फूलदीप कुमार



हमारे संवाददाता

अहमदनगर
अंबरनाथ
चांदीपुर
बेंगलूरु

- : कर्नल अतुल आपटे, श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान और विकास स्थापना (वी आर डी ई)
- : डॉ सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल)
- : श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर); श्री रत्नाकर एस मोहपात्रा, प्रमाण तथा प्रायोगिकी केंद्र (पी एक्स ई)
- : श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (ए डी ई); श्रीमती एम. आर. भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (केब्स)

श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर)

सुश्री तृप्ति रानी बोस, सैन्य उड़नयोग्यता तथा प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक)

डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (सी ए एस डी आई सी)

डॉ प्रसन्ना बक्शी, रक्षा जैव – अभियांत्रिकी तथा विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)

श्री वेंकटेश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिकी तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई)

डॉ अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र (एम टी आर डी सी)

चंडीगढ़
चेन्नई
देहरादून

- : डॉ प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टी बी आर एल)
- : श्रीमती एस जयसुधा, संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सी वी आर डी ई)

: श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील)

: श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई)

दिल्ली

- : श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिमा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम)

डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)

डॉ. डॉली बंसल, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डी आई पी आर)

श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)

श्रीमती रविता देवी, पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा); सुश्री नुपूर श्रोतिय – वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एस ए जी)

डॉ. रूपेश कुमार चौबे, टोसावस्था भौतिक प्रयोगशाला (एस एस पी एल)

ग्वालियर
हल्द्वानी
हैदराबाद

- : डॉक्टर मनोरमा विमल, रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई)

: डॉ. अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)

: श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल)

श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल)

डॉ. मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल)

श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई)

जगदलपुर

- : डॉ. गौरव अग्निहोत्री, एस एफ परिसर (एस एफ सी)

जोधपुर

: श्री रवींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डी एल)

कानपुर

- : श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री तथा भंडार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी एम एस आर डी ई)

कोट्टि

: श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल)

लेह

: डॉ. डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान स्थान (डिहार)

मसूरी

: डॉ. गोपा बी चौधरी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम)

मैसूर

: डॉ एम पाल्मरुगण, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल)

पुणे

: डॉ (श्रीमती) जे ए कनेटकर, आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई)

डॉ विजय पात्र, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डी आई ए टी)

श्री एस नंदगोपाल, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच एम आर एल)

तेजपुर

- : डॉ जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल)



मुख्य लेख

04



घटनाक्रम

12

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप

24

कार्मिक समाचार

32

निरीक्षण/ दौरा कार्यक्रम

33

वेबसाइट : <https://www.drdo.gov.in/samachar>

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया निम्नलिखित पते पर संपर्क करें :

director.desidoc@gov.in

दूरभाष : 011-23902403 फैक्स : 011-23819151



डी आर डी ओ में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन

महान भारतीय भौतिक विज्ञानी सर चंद्रशेखर वेंकटरमन द्वारा वर्ष 1928 में 'रमन प्रभाव' की खोज किए जाने, जिसके लिए उन्हें वर्ष 1930 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया, के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह (एन एस डी) आयोजित किया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह आयोजित करने का उद्देश्य विज्ञान विषयक क्रियाकलापों में छात्रों एवं शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी को

बढ़ावा देना, छात्रों के मन में जिज्ञासा उत्पन्न करना अर्थात् उन्हें प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना तथा उनके मन में उठने वाली विज्ञान विषयक विभिन्न शंकाओं एवं समस्याओं का समाधान करना तथा विज्ञान के क्षेत्र में प्रभावी प्रतिभागिता के लिए उन्हें प्रोत्साहित करना तथा छात्रों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए नवीनतम घटनाक्रम के बारे में जानकारी प्रदान करना है। एन एस डी- 2022 समारोह का प्रतिपाद्य विषय (थीम) 'सतत भविष्य के

लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' था।

रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डी आर डी ओ) द्वारा डी आर डी ओ समुदाय की व्यापक प्रतिभागिता के साथ एन एस डी- 2022 समारोह का आयोजन किया गया। रक्षा विज्ञान मंच (डी एस एफ) डी आर डी ओ का एक ऐसा मंच है जहां विभिन्न विषयों के वैज्ञानिक पारस्परिक बंधुत्व को बढ़ावा देने के लिए एक दूसरे से मिलते जुलते हैं, विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के साथ



राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी-2022) समारोह के दौरान अपना प्रमुख व्याख्यान देते हुए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ एम रविचंद्रन।

विचारों का आदान-प्रदान करते हैं तथा उन अंतःविषयी परियोजनाओं की व्यवहार्यता पर चर्चा करते हैं जिनके लिए विशेषज्ञ राय की आवश्यकता होती है। रक्षा विज्ञान मंच (डी एस एफ) द्वारा डी आर डी ओ भवन, नई दिल्ली में एन एस डी व्याख्यानों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ एम रविचंद्रन थे। समारोह की अध्यक्षता रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी

आर डी ओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी ने की।

इस अवसर पर दिए गए अपने प्रमुख व्याख्यान में, डॉ एम रविचंद्रन ने महासागर अनुसंधान हेतु महासागर से प्राप्त होने वाले संसाधनों की खोज के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। आपने अपने व्याख्यान में पहले मानवयुक्त महासागर मिशन के बारे में चर्चा करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि समुद्र यान परियोजना के

तहत इस मिशन का उद्देश्य समुद्र में 5000 मीटर की गहराई तक समुद्री संसाधनों की खोज करना है। आपने बताया कि अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी गहरे समुद्र में खोज, स्वच्छ ऊर्जा तथा महासागर संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में मदद करेगी।

रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के अध्यक्ष ने अपने संबोधन में वैज्ञानिक समुदाय को उत्कृष्टता एवं आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा



राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के हाथों डी आर डी ओ मोनोग्राफ "इंट्रोडक्शन टू एक्सप्लोसिव रिफ्लेक्टिव आर्मर" का विमोचन।

में निरंतर प्रयासरत रहने के लिए बधाई दी। डॉ रेड्डी व्याख्यान में इस बात पर बल दिया कि विज्ञान के प्रति रुझान, मानवतावाद तथा नित नई खोज करने की इच्छा वे सिद्धांत हैं जिनका अनुसरण करते हुए हम भारतीय सशस्त्र बलों को स्वदेशी उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों से सुसज्जित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपने कहा कि डी आर डी ओ की प्रतिबद्धता के अनुरूप हम राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव विश्वस्तरीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय समाधान उपलब्ध कराएंगे तथा आत्मानिर्भर भारत के मिशन को प्राप्त करेंगे।

डी आर डी ओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में प्रस्तुत किए

जाने के लिए उनतीस शोध पत्र प्राप्त हुए थे, जिनमें से तीन शोध पत्रों का चयन किया गया तथा उन्हें इस समारोह में डी आर डी ओ विज्ञान दिवस व्याख्यान के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक) द्वारा प्रकाशित पत्रिका रक्षा विज्ञान स्पेक्ट्रम, जो डी आर डी ओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से प्राप्त विज्ञान विषयक शोध पत्रों का एक संकलन है, का भी समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विमोचन किया गया।

इस अवसर पर उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल) के पूर्व वैज्ञानिक 'जी' श्री हरपाल सिंह यादव द्वारा

लिखित 'इंट्रोडक्शन टू एक्सप्लोसिव रिएक्टिव आर्मर' नामक मोनोग्राफ का भी विमोचन किया गया। इस मोनोग्राफ में विस्फोटक पदार्थों के विरुद्ध प्रतिक्रियाशील बख्तर सामग्री (एक्सप्लोसिव रिएक्टिव आर्मर – ई आर ए) की आधारभूत कार्यप्रणाली तथा इसके आधारभूत मैकेनिज्म को समझने के लिए विस्फोट पदार्थों से संबंधित प्रासंगिक एवं आवश्यक गतिक सिद्धांतों तथा प्रघात तरंगों के मूलभूत सिद्धांतों का वर्णन किया गया है।

डी आर डी ओ की निम्नलिखित प्रयोगशालाओं ने भी अपनी स्थापनाओं में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन किया।

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 4 मार्च 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर श्री राजकुमार, वैज्ञानिक 'ई' ने 'डिजिटल अधिकार प्रबंधन: विद्वतापूर्ण लेखों का संदर्भ (डिजिटल राइट्स मैनेजमेंट: रेफरेंस टू स्कॉलरली कंटेंट)' विषय पर एक सारगर्भित व्याख्यान दिया। अपने इस व्याख्यान में आपने डिजिटल अधिकारों, उनके महत्व, उपयोग तथा विद्वता पूर्ण लेखों के संदर्भ में प्रयोग में लाए जा रहे विभिन्न उपकरणों एवं तकनीकों के बारे में

बताया। इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ के पी सिंह ने प्रमुख भाषण दिया। अपने संबोधन में आपने विज्ञान दिवस मनाने के महत्व एवं इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा की। आपने भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुई प्रगति

तथा रमन प्रभाव की प्रयोज्यता के बारे में भी बात की। इस अवसर पर डेसीडॉक के निदेशक डॉ के



नागेश्वर राव ने डेसीडॉक समुदाय को संबोधित किया। आपने श्री राजकुमार को एन एस डी पदक एवं

प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया। श्री सुधांशु भूषण, वैज्ञानिक 'एफ' तथा श्री अजय कुमार, वैज्ञानिक 'ई' ने

कार्यक्रम का संचालन किया।

रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर

रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर में 28 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। डॉ राम कुमार धाकड़, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'बोटुलिनम न्यूरोटोक्सिन्स: प्रीकैरियस टर्न्स टू प्रेशियस' विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी) व्याख्यान

दिया। आपने अपने इस व्याख्यान में बोटुलिनम न्यूरोटोक्सिन्स का जैविक हथियार के रूप में महत्व और साथ ही कॉस्मेटिक्स के क्षेत्र में इसके उपयोग पर चर्चा की। डॉक्टर एम एम परिदा, निदेशक, डी आर डी ई ने आपको एन एस डी पदक तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।



रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर द्वारा 28 फरवरी 2022 को अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह (एन एस डी-2022) का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह तथा भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के दौरान आयोजित किए जा रहे 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' से संबंधित कार्यक्रमों के एक हिस्से के रूप में, स्कूली छात्रों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता, आदि सहित विभिन्न वैज्ञानिक क्रियाकलापों का आयोजन किया गया। 22 फरवरी 2022 को डी आर एल परिसर में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का



आयोजन किया गया था। डी आर एल परिसर से बाहर स्थित इस इलाके के तीन अलग-अलग स्कूलों में आउट कैंपस कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। उदमारी प्राइमरी स्कूल,

देकारगांव में कार्यक्रम का आयोजन 23 फरवरी 2022 को डॉ पी के राउल, वैज्ञानिक 'डी' और उनकी टीम द्वारा किया गया था। अन्य दो स्कूलों रंगपारा हायर सेकेंडरी स्कूल तथा

तेजपुर चरियाली गर्ल्स हाई स्कूल में 24 फरवरी 2022 को विज्ञान विषयक कार्यक्रमों का आयोजन क्रमशः डॉ डी दत्ता, वैज्ञानिक 'डी' तथा डॉ वाई डी भूटिया, वैज्ञानिक 'ई' एवं उनकी टीम के समन्वय के तहत किया गया था। विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन डी आर एल परिसर में किया गया। डॉ देव व्रत कम्बोज, निदेशक, डी आर एल ने समारोह में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा इस अवसर पर दिए गए

अपने उद्घाटन भाषण में आपने विज्ञान दिवस समारोह को आयोजित किए जाने के महत्व पर बल दिया। श्री दया लामा, वैज्ञानिक 'ई' ने 'रक्षा संबंधी सामग्रियों के संरक्षण में निराद्रीकरण का महत्व' विषय पर एन एस डी व्याख्यान दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सोनितपुर, असम के पुलिस अधीक्षक डॉ धनंजय पी घनवत उपस्थित थे। आपने एक बहुत ही प्रेरक एवं विचारोत्पादक व्याख्यान दिया तथा

प्रतिभागियों, विशेष रूप से छात्रों को रोजमर्रा के जीवन में आने वाली समस्याओं का विज्ञान सम्मत समाधान प्राप्त करने के लिए जिज्ञासु होने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री लामा को उनके एन एस डी व्याख्यान के लिए पदक एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि के हाथों पुरस्कार प्रदान किए गए।।

नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली

नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली द्वारा 28 फरवरी 2022 को अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह (एन एस डी-2022) का आयोजन किया गया जिसके दौरान डॉ हिमांशु ओझा, वैज्ञानिक 'ई' ने 'अभिघातज चोट के स्थान पर लगाए जाने वाला नया हाइड्रोजेल आधारित मरहम (नोवेल हाइड्रोजेल बेस्ड टॉपिकल फॉर्म्यूलेशन फॉर ट्रॉमेटिक इंजरी)' विषय पर एन एस डी व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में आपने अभिघातज चोट के स्थान पर तेजी से घाव भरने के लिए लगाए जाने वाले मरहम को विकसित करने के लिए सिल्वर (चांदी) के नैनोकणों तथा हाइड्रोजेल दोनों को प्रयोग में लाए जाने के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।

चांदी का प्रयोग प्राचीनकाल से ही पूरे विश्व में विभिन्न चिकित्सा अनुप्रयोगों हेतु किया जाता रहा है। वर्तमान में, विभिन्न शोध समूह चांदी के नैनोकणों की रोगाणुरोधी गतिविधि को हाइड्रोजेल, एल्गिनेट, हाइड्रोजेल को लॉइड्स आदि जैसी सामग्रियों के साथ संयोजित करने के तौर-तरीकों पर काम कर रहे हैं। वर्तमान में किए गए एक शोध कार्य में, चांदी के नैनोकणों को हरित रसायन का उपयोग करके संश्लेषित किया गया था तथा उसके पश्चात गतिक प्रकाश प्रकीर्णन, टनलइलेक्ट्रॉनमाइक्रोस्कोपी, एक्स आर डी क्रिस्टलोग्राफी एवं



अन्य स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग करके उनका अभिलक्षण वर्णन किया गया था। इसके उपरांत, डिस्क विसरण एवं कॉलोनी काउंटिंग तकनीकों का प्रयोग करके संश्लेषित नैनो कणों के रोगाणुरोधी गुणों का मूल्यांकन अध्ययन किया गया था। पुष्टि के बाद, रोगाणुरोधी गतिविधि

और विभिन्न हाइड्रोजेल फॉर्मूलेशनों को अभिकल्पित एवं तैयार किया गया तथा विभिन्न कड़े परीक्षणों के अध्यक्षीन उनकी एक बार पुनः जांच की गई। प्रीक्लिनिकल एनिमल स्टडी में, ओ ई सी डी द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देश 410 का अनुसरण करते हुए जंतुओं पर विषाक्तता की जांच

करने के लिए तैयार फॉर्मूलेशन का परीक्षण किया गया तथा स्प्रेग डावले नस्ल के चूहों पर इसकी प्रभावकारिता का अध्ययन किया गया। अंतिम रूप से तैयार की गई औषधि जंतुओं पर किए गए अध्ययन में सुरक्षित एवं प्रभावकारी ज्ञात हुई तथा परिणाम एक भारतीय पेटेंट के रूप में प्रस्तुत

किया गया जो अक्टूबर 2020 में प्रदान किया गया। डॉ अनिल कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, इनमास ने डॉ हिमांशु ओझा को एन एस डी पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून ने 28 फरवरी 2022 को अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह (एन एस डी-2022) का आयोजन किया। डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, आई आर डी ई ने इस समारोह का उद्घाटन किया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी), रुड़की के प्रोफेसर डॉ धर्मेन्द्र सिंह इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। डॉ. सिंह ने 'ड्रोन के स्मार्ट अनुप्रयोग' विषय पर प्रमुख भाषण दिया। आपने आई आई टी द्वारा विकसित किए गए ड्रोन के विभिन्न अनुप्रयोगों के बारे में भी विस्तार से बताया। आपने रक्षा अनुप्रयोगों, रेलवे ट्रैक हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम



तथा कृषि निगरानी प्रणालियों में ड्रोन के विभिन्न उपयोग एवं परीक्षण परिणामों का वर्णन किया। डॉ शैलेंद्र सिंह यादव, वैज्ञानिक 'एफ', आई आर डी ई ने 'हल्के भार के वैद्युत प्रकाशीय पेलोड (लाइटवेट इलेक्ट्रोऑप्टिकल पेलोड)' विषय पर एन एस डी व्याख्यान दिया।

इस विशिष्ट अवसर पर डॉ दास ने डॉ सी वी रमन द्वारा किए गए प्रकाश के प्रकीर्णन की खोज को याद

किया, जिसे बाद में 'रमन प्रभाव' के नाम से जाना जाता है। डॉ दास ने आई आर डी ई के वैज्ञानिक समुदाय को उत्कृष्टता एवं आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में निरंतर प्रयत्नशील रहने के लिए बधाई दी। आपने एंटी ड्रोन प्रणाली में वैद्युत प्रकाशीय प्रौद्योगिकी के प्रयोग के लिए आई आर डी ई के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे प्रयास की भी सराहना की। आपने अपने व्याख्यान में ड्रोन के महत्व पर बल देते हुए कहा कि ड्रोन भविष्य की प्रौद्योगिकी में गेम-चेंजर साबित होंगे। समारोह का आयोजन आई आर डी ई विज्ञान मंच द्वारा किया गया था।

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आई टी एम), मसूरी

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आई टी एम), मसूरी में

28 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2022 समारोह आयोजित

किया गया। इस अवसर पर दिए गए अपने उद्घाटन भाषण में श्री बी

पी उपरेती, तकनीकी अधिकारी 'सी' ने इस विशिष्ट दिवस को आयोजित किए जाने के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। इसके पश्चात श्री पृथ्वीपाल सिंह, वैज्ञानिक 'सी' ने 'मानसिक स्वास्थ्य पर लॉकडाउन का प्रभाव' विषय पर व्याख्यान दिया। आपका यह व्याख्यान आपके द्वारा किए गए शोध कार्य पर आधारित था जिसमें आपने यह पाया कि लॉकडाउन से पहले के स्तर की तुलना में लॉकडाउन के बाद लोगों के जुनूनी-बाध्यकारी विकार (ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर) के स्तर में आमतौर पर वृद्धि हुई है। व्याख्यान के दौरान आपने यह बताया कि शोध के दौरान आप इस निष्कर्ष पर भी

पहुंचे थे कि यह विकार पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखा गया। इसके पश्चात श्री एस ए कट्टी, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, आई टी एम ने दैनिक जीवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डाला। आपने इस बात पर भी बल दिया कि काम ही पूजा है, आपने अपने व्याख्यान में श्रोताओं को प्रेरित करते हुए उन्हें भगवद् गीता का श्लोक "कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफल हेतुर्भुर्मा



ते संगोऽस्त्वकर्मणि" भी सुनाया। कार्यक्रम का समापन ग्रुप कैप्टन एम सुब्रमण्यम के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम को स्मरणीय बनाने के लिए एक ग्रुप फोटो भी लिया गया।

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल), अंबरनाथ

रक्षा नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल) में 28 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह वैश्विक महामारी कोविड-19 से बचाव के संबंध में जारी किए गए दिशानिर्देशों का पालन करते हुए अत्यधिक उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का विषय 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' था। इस कार्यक्रम में एन एम आर एल के वैज्ञानिकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया एवं श्री पी टी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक एन एम आर एल ने समारोह में उपस्थित



'इलेक्ट्रोकेमिकल सुपरकैपेसिटर' विषय पर व्याख्यान देते हुए श्री शशिधर, वैज्ञानिक 'ई'।

जनों को संबोधित किया। श्री शशिधर, वैज्ञानिक 'ई' को विज्ञान दिवस व्याख्यान पुरस्कार-2022 प्रदान किया

गया। आपके द्वारा 'वैद्युत रासायनिक परम संधारित्र (इलेक्ट्रोकेमिकल सुपरकैपेसिटर)' विषय पर एन

एस डी व्याख्यान दिया गया था।

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल) ने 28 फरवरी को विशाखापत्तनम में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री बी मोहन राव, वैज्ञानिक 'एफ' तथा अध्यक्ष, एन एस डी सी-2022 के स्वागत भाषण से हुआ।

डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन एस टी एल ने कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में सरकारी एवं निजी

स्कूलों के छात्रों द्वारा बढ़-चढ़कर भाग लेने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में आपने प्राचीन काल से ही विश्व को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषयक जानकारी प्रदान करने में भारत द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया।

डॉ समीर वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एन एस एंड एम) ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आर्थिक विकास की नींव है। आपने स्कूली छात्रों तथा अभियांत्रिकी के छात्रों

में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने में एन एस डी सी - 2022 के आयोजकों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

श्री एम सेंथिल कुमार, वैज्ञानिक 'डी' ने 'सोडियम-आयन सेल का प्रिज्मीय संविन्यास में अभिकल्प एवं विकास' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ वी भुजंग राव, विशिष्ट वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त) तथा पूर्व महानिदेशक (एन एस एंड एम) ने इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में डी आर डी ओ के साथ अपने 43 वर्षों के जुड़ाव को याद किया तथा विस्तार



गणमान्य व्यक्तियों द्वारा एन एस टी एल की स्वतंत्र सत्यापन एवं वैधीकरण (आई वी एंड वी) नीति का विमोचन ।



से बताया कि किस प्रकार वर्तमान समय में रमन प्रभाव की समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदर्शित हो रही है। इस अवसर पर समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ डब्ल्यू सेल्वामूर्ति, विशिष्ट वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त) तथा पूर्व मुख्य नियंत्रक अनुसंधान एवं विकास (सी सी आर

एंड डी) ने 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी – विकास की कुंजी' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा एन एस टी एल की स्वतंत्र सत्यापन एवं वैधीकरण (आई वी एंड वी) नीति एवं नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल) की

हिंदी पत्रिका 'मंथन' के ई-संस्करण का विमोचन किया गया।

समारोह का समापन विभिन्न स्कूली छात्रों के लिए आयोजित की गई चित्रकला, निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

आजादी का अमृत महोत्सव

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी आर डी ओ) ने देश के विभिन्न स्थानों पर 22-28 फरवरी 2022 के दौरान आयोजित की गई विज्ञान प्रदर्शनी 'आजादी का अमृत महोत्सव साइंस शोकेस: रोडमैप टू 2047' में भाग लिया। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर तथा एम बी एम विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा संयुक्त रूप से 'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते – सभी के लिए अवसर का त्योहार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डी एल जे ने डी आर डी ओ की ओर से कार्यक्रम का समन्वयन किया।

आयोजन के दौरान डी एल जे द्वारा प्रयोगशाला में विकसित की गई

विभिन्न प्रणालियों जैसेकि नाभिकीय विकिरण संसूचन एवं संदूषण मॉनिटर, माइक्रोवेव चैफ कार्ट्रिज, प्रावस्था परिवर्तित सामग्री (पी सी एम) – से निर्मित की गई प्रणाली, जल शोधन प्रणाली, सी ए एम पेंट, तापीय लक्ष्य प्रणाली (थर्मल टारगेट सिस्टम) एवं कोविड-19 से बचाव हेतु प्रणालियों को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी में डी एल जे द्वारा विकसित की गई प्रणालियों के अतिरिक्त, एम बी एम विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के छात्रों द्वारा बनाए गए मॉडलों एवं स्थानीय उद्योगों द्वारा विकसित की गई प्रौद्योगिकियों को भी प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का समय प्रतिदिन सुबह 10 बजे से

शाम 5 बजे तक था तथा जोधपुर के विभिन्न शिक्षा संस्थानों अर्थात स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालय एवं आई आई टी के छात्र एवं शिक्षकगण इस प्रदर्शनी को देखने के लिए आए एवं प्रदर्शनी में रखी गई प्रणालियों के संबंध में डी एल जे की टीम से बातचीत करके जानकारी हासिल की। समापन समारोह 28 फरवरी 2022 को आयोजित किया गया था जिसमें श्री रवींद्र कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डी एल जे मुख्य अतिथि थे। समापन समारोह में आपने 'महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के मामले में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में डी आर डी ओ की यात्रा' विषय पर मुख्य भाषण दिया।

महिला दिवस समारोहों का आयोजन

प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्व भर में महिला दिवस समारोहों का आयोजन किया जाता है। यह

दिवस महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में प्राप्त की गई उपलब्धियों

हेतु उन्हें सम्मानित करने एवं उनकी सराहना करने के लिए मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

(आई डब्ल्यू डी)-2022 की थीम अर्थात् इसका प्रतिपाद्य विषय 'एक स्थायी भविष्य के लिए वर्तमान में लैंगिक समानता को अपनाना (जेंडर

इक्वालिटी टुडे फॉर ए सरस्टेनेबल टुमारो)' है। डी आर डी ओ की निम्नलिखित प्रयोगशालाओं ने अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ

अपनी स्थापनाओं में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया।

रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर

रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर ने 8 मार्च 2022 को अपनी स्थापना में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आई डब्ल्यू डी-2022) समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रणाली तथा प्रौद्योगिकी विश्लेषण निदेशालय (डी एस टी ए) एवं पब्लिक इंटरफेस निदेशालय (डी पी आई) की निदेशक डॉ (श्रीमती) एन रंजना, वैज्ञानिक 'जी' समारोह की मुख्य अतिथि थीं। डॉ. रंजना द्वारा डॉ. एम.एम. परिदा, निदेशक, डी आर डी ई, तथा डॉ उमा पाठक, वैज्ञानिक 'एफ' के साथ मिलकर दीप प्रज्वलित करके तथा देवी सरस्वती की वंदना के साथ समारोह का औपचारिक उद्घाटन किया गया।

डॉ उमा पाठक ने स्वागत भाषण दिया। इस संबोधन के दौरान आपने इस बात पर बल दिया कि हमें अपनी क्षमताओं को महसूस करने तथा उसे और अधिक प्रबल बनाने की आवश्यकता है तथा यही महिला सशक्तिकरण एवं एक स्थायी भविष्य की कुंजी है। डॉ रंजना ने विभिन्न मिसाइल प्रणालियों जैसे कि अग्नि प्रणाली एकीकरण में प्रणाली सॉफ्टवेयर के महत्व पर काम करते हुए प्राप्त हुए अपने पेशेवर अनुभवों



एवं इस दौरान सामना की गई चुनौतियों के बारे में बताते हुए डी आर डी ई स्टाफ को विभिन्न प्रणाली विकास के दौरान सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित किया। आपने डी आर डी ई के सभी कर्मचारियों से अपने सभी प्रयासों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखने तथा एक-दूसरे का ध्यान रखने का भी आग्रह किया।

निदेशक, डी आर डी ई ने रासायनिक – जैविक रक्षा प्रौद्योगिकियों से संबंधित विभिन्न परियोजना क्रियाकलापों में महिला

वैज्ञानिकों की भागीदारी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रासायनिक – जैविक रक्षा प्रौद्योगिकियों एवं कामकाज – जीवन के बीच संतुलन में महिला वैज्ञानिकों के योगदान को विशेष रूप से प्रदर्शित करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं तकनीकी प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डी आर डी ई की सभी महिला कर्मचारियों एवं छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन डॉ मनीषा साठे, वैज्ञानिक 'एफ' के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर में जीवन के हर पहलू में महिलाओं की भूमिका के लिए उनकी सराहना करने तथा उन्हें सम्मानित करने के लिए भारी उत्साह के साथ 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आई डब्ल्यू डी-2022) समारोह का आयोजन गया। इस अवसर पर तेजपुर विश्वविद्यालय के श्री आशीष प्रतिम बोरा, कंसल्टेंट क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम

की शुरुआत डॉ रमा दूबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा दिए गए स्वागत भाषण से हुई, इसके उपरांत डॉ देव व्रत काम्बोज, निदेशक, डी आर एल द्वारा एक व्याख्यान दिया गया जिसमें आपने हमारे जीवन में महिलाओं के योगदान के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करने एवं उनका सम्मान करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके पश्चात, मुख्य अतिथि ने मानसिक स्वास्थ्य को समझने, उसके संबंध में चर्चा करने तथा मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर एक दिलचस्प

एवं महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया तथा अपने इस व्याख्यान के दौरान आपने महिलाओं- पुरुषों के बीच बेहतर संवाद एवं सम्मानजनक व्यवहार के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर प्रयोगशाला की महिला शोधकर्ताओं एवं कर्मचारियों द्वारा कविता पाठ तथा गीत संगीत की भी प्रस्तुति की गई। समारोह का समापन इस वर्ष के आई डब्ल्यू डी-2022 की थीम पर आधारित निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।



रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), हैदराबाद

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), हैदराबाद ने 5 मार्च 2022 को

ऑनलाइन (वर्चुअल) मोड में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आई डब्ल्यू डी-2022) समारोह का आयोजन किया। समारोह

की मुख्य अतिथि श्रीमती नबनिता राधाकृष्णन, पूर्व महानिदेशक (आर एंड एम), डी आर डी ओ थीं।

श्रीमती बी सीता देवी, निदेशक, आई एच ए कंसल्टेंसी, हैदराबाद समारोह की अतिथि वक्ता थीं।

समारोह के आरंभ में महिला प्रकोष्ठ की सह-अध्यक्ष श्रीमती सोमा वशिष्ठ, वैज्ञानिक 'जी' ने निदेशक, डी एल आर एल का अतिथियों से परिचय कराया। इसके पश्चात डॉ के महेश्वर रेड्डी, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डी एल आर एल ने सभी प्रतिभागियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी तथा इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए आपने अधिकाधिक महिलाओं को आगे बढ़कर लैंगिक असमानता की सीमाओं से बाहर आने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री आर वी हरा प्रसाद, वैज्ञानिक 'एच' एवं सह निदेशक ने भी इस समारोह में



ऑनलाइन (वर्चुअल) मोड में भाग लिया तथा किए गए अपने संबोधन में डी एल आर एल की महिला समुदाय को प्रौद्योगिकी, कला, प्रबंधन एवं नेतृत्व के क्षेत्रों में चुनौतियों का चयन करने तथा लैंगिक आधार पर किए जा रहे भेदभाव को समाप्त करने के लिए सदैव तत्पर रहने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती लक्ष्मी, वैज्ञानिक 'एफ' ने किया।

मुख्य अतिथि श्रीमती राधाकृष्णन

ने 'सफलता का जश्न मना रहीं डी आर डी ओ महिलाएं (डी आर डी ओ वीमेन – सेलिब्रेटिंग द सक्सेस)' विषय पर व्याख्यान दिया। आपने अपने इस व्याख्यान में 'कामकाज एवं जीवन के बीच किस प्रकार संतुलन स्थापित करें' पर बल दिया तथा कामकाज को प्रभावित करने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में बताया। अतिथि वक्ता श्रीमती सीता देवी ने 'विश्व को प्रभावित कर रही आज की महिला' विषय पर व्याख्यान दिया तथा अपने व्याख्यान में इस बात पर प्रकाश डाला कि आज की महिलाएं चुनौतियों से प्यार करती हैं, अवसरों को हासिल करती हैं, मानक निर्धारित करती हैं तथा सभी क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ कर काम करती हैं।

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून तथा रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून ने विद्युत प्रकाशीय एवं संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिला कर्मचारियों के योगदान के लिए उनकी सराहना करने तथा उन्हें सम्मानित करने के लिए संयुक्त रूप से 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय पर्वतारोही पद्मश्री संतोष यादव को



आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर हीरक जयंती दीर्घा (डायमंड जुबली गैलरी) में एक प्रदर्शनी का

आयोजन किया गया था। डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, आई आर डी ई ने प्रदर्शित किए

गए आई आर डी ई द्वारा विकसित उत्पादों के बारे में मुख्य अतिथि को संक्षेप में जानकारी दी। इसके पश्चात एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसे आई आर डी ई तथा डील की महिला कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का विषय 'आजादी का अमृत महोत्सव' को समर्पित था तथा इसमें स्वतंत्रता की प्राप्ति में महिलाओं के योगदान को प्रदर्शित किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सबसे कठिन चढ़ाई वाले कंगशुंग

फेस सहित चार बार सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के दौरान प्राप्त हुए अपने अनुभवों को साझा किया तथा महिला कर्मचारियों को नेतृत्व गुणों, आत्मविश्वास एवं साहस से स्वयं को सदैव परिपूर्ण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। श्री एल सी मंगल, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डील ने समारोह में उपस्थित जनों को संबोधित किया। अपने संबोधन में आपने कर्मचारियों को अभिप्रेरित किया तथा सभी को संगठनात्मक उत्कृष्टता प्राप्त करने

की दिशा में सदैव प्रयत्नशील रहने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ दास ने समारोह में उपस्थित जनों के समक्ष एक अत्यधिक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया जिसके दौरान अपने महिलाओं द्वारा कार्यस्थल और साथ ही घर पर भी किए जा रहे योगदान का विशेष रूप से उल्लेख किया। इस कार्यक्रम में एक परिवार के रूप में दो प्रमुख प्रयोगशालाओं के मेल के माध्यम से कार्यस्थल पर एकजुटता का संदेश दिया गया।

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर में 8 मार्च 2022 को अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आई डब्ल्यू डी-2022) समारोह का आयोजन किया गया।

श्री एच के रथ, निदेशक, आई टी आर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में आपने महिलाओं के सशक्तिकरण पर बल दिया। श्रीमती बी सुचारिता, सह निदेशक ने

आई टी आर में महिला कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी तथा समारोह में उपस्थित विशिष्ट जनों का स्वागत किया। सुश्री वी कविता, प्रबंधक, क्यू सी-आर ओ,



एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आई डब्ल्यू डी-2022) समारोह का आयोजन।

अभियंता-एस जी, सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा रेंज, इसरो तथा भारतीय वायु सेना के फ्लाइट लेफ्टिनेंट निदर्शन इस कार्यक्रम में वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर शामिल हुए तथा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम अर्थात प्रतिपाद्य विषय पर बातचीत की। समारोह के दौरान महिला शक्ति की उत्कृष्टता को दर्शाने वाला एक वीडियो प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में सभी महिला कर्मचारियों सहित लगभग 150 अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम

आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष के दौरान आयोजित किए जा रहे समारोहों को जारी रखते हुए नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम में 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आई डब्ल्यू डी-2022) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विशिष्ट अतिथियों तथा समारोह में उपस्थित गणमान्य महिलाओं द्वारा भारत रत्न डॉ अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन विशिष्ट अतिथियों, डॉ टी वसुधा; श्रीमती स्मिता कामत,

श्रीमती शिल्पा दन्तु, श्रीमती लक्ष्मी राव, अध्यक्ष, महिला कल्याण मंच तथा सुश्री एम विजया, वैज्ञानिक 'जी' एवं आई डब्ल्यू डी-2022 की अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया।

सुश्री विजया ने इस अवसर पर उद्घाटन भाषण देते हुए समारोह में उपस्थित जनों का स्वागत किया तथा नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल) में महिला कर्मियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन के बारे में विस्तार से बताया। डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन एस टी एल ने प्रत्येक व्यक्ति की सफलता के पीछे एक महिला के होने तथा विभिन्न परिस्थितियों में उत्पन्न होने वाली कठिन समस्याओं का समाधान ढूंढने में महिलाओं द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। डॉ टी वसुधा ने 'विविधता तथा सभी को साथ लेकर चलने के लिए पूर्वाग्रह मुक्त व्यवहार करना (ब्रेकिंग बायस फॉर डायवर्सिटी

एंड इन्क्लुजन)' विषय पर एक अत्यधिक सारगर्भित व्याख्यान दिया। आपने कहा कि महिलाओं के साथ असाधारण व्यवहार न करके लैंगिक समानता हासिल की जा सकती है। रामनाथ माध्यमिक विद्यालय की तीन मेधावी छात्राओं को विशिष्ट अतिथि डॉ वसुधा ने सम्मानित किया।

यो विजाक की संस्थापक तथा उद्यमी श्रीमती शिल्पा दन्तु ने अपने करियर के सफर के दौरान प्राप्त हुए अनुभवों के बारे में बताया तथा कहा कि जिस परिवार में लैंगिक आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता वैसे परिवार की महिला या पुरुष में से किसी भी सदस्य में भविष्य का पथ प्रदर्शक बन सकने की क्षमता होती है। श्रीमती स्मिता कामत ने कहा कि महिला नेतृत्व तभी विकसित किया जा सकता है जबकि बालिकाओं को बचपन से ही शिक्षा प्रदान की जाए तथा उनके परिवार में बचपन से ही लैंगिक समानता की संस्कृति का पोषण किया जाता हो।



विज्ञान महोत्सव में डी आर डी ओ की प्रतिभागिता

डॉ. बी. के. दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून को उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट), देहरादून के विज्ञान धाम में 27 फरवरी 2022 को आयोजित किए गए विज्ञान महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में प्रख्यात व्यक्तियों ने भाग लिया था। इस समारोह में डॉ. दास ने 'भविष्य पर नजर : आगामी 25 वर्षों के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषयक भावी योजना (लुकिंग अहेड:

साइंस एंड टेक्नोलॉजी रोड मैप फॉर नेक्स्ट 25 ईयर्स)' विषय पर प्रमुख व्याख्यान दिया। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. दास ने राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास की अपार संभावनाओं का उल्लेख किया। आपने कहा कि राज्य को प्राकृतिक जल, वन तथा भूमि का वरदान प्राप्त है। अनुसंधान को उस राज्य में प्रोत्साहित किया जा सकता है जहाँ प्राकृतिक संसाधन एवं जैव विविधता मौजूद हो। डॉ. दास ने श्रोताओं को डी आर डी ओ द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न मिसाइल एवं उपग्रह कार्यक्रमों के बारे

में भी बताया। आपने जोर देकर कहा कि विज्ञान उत्तराखण्ड की आत्मा में समाया हुआ है, लेकिन आवश्यकता इसे समझने की है। अपने छात्रों को बताया कि उनके सभी प्रश्नों के उत्तर प्रकृति से ही मिलेंगे। आई आर डी ई ने 'विज्ञान महोत्सव' में आयोजित प्रदर्शनी में अपने उत्पादों को भी प्रदर्शित किया। उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट) के निदेशक डॉ. डी पी उनियाल ने इस अवसर पर अपने विचार साझा करने के लिए डॉ. बी. के. दास को धन्यवाद दिया।



स्थापना दिवस समारोहों का आयोजन

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून ने 18 फरवरी 2022 को अपना 62वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, आई आर डी ई ने समारोह में उपस्थित विशिष्ट जनों का स्वागत किया एवं आई आर डी ई के स्थापना दिवस पर प्रयोगशाला के अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को बधाई दी। आपने 'उपलब्धि 21 (अचीवमेंट 21)' के तहत वर्ष 2021 के दौरान 21 परियोजनाओं को पूरा करने के लिए आई आर डी ई के सभी कर्मचारियों को धन्यवाद दिया तथा उनकी सराहना की। अपने व्याख्यान में आपने यह दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2022 के लिए लक्षित परियोजनाओं को आई आर डी ई के प्रतिबद्ध कार्मिकों द्वारा 'मिशन 22' के एक हिस्से के रूप में पूरा कर लिया जाएगा। इस अवसर पर डॉ दास ने आई आर डी ई की वार्षिक हिंदी पत्रिका 'संकल्प' का विमोचन किया। आपने 'संकल्प' तकनीकी पत्रिका के पहले अंक का भी विमोचन किया जिसमें आई आर डी ई के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा हिंदी भाषा में लिखे गए तकनीकी लेखों को शामिल किया गया है।



डॉ दास ने प्रयोगशाला के प्रतिभावान कर्मचारियों को विभिन्न प्रयोगशाला स्तरीय डी आर डी ओ पुरस्कार एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए। वर्ष का प्रयोगशाला वैज्ञानिक पुरस्कार श्री मुकेश कुमार मथुरिया, वैज्ञानिक 'एफ'; श्री प्रदीप कुमार, वैज्ञानिक 'एफ'; श्री राकेश रवि दास, वैज्ञानिक 'ई'; और श्री आशीष कुमार, वैज्ञानिक 'डी' को विभिन्न परियोजनाओं में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।

निदेशक डॉ बी के दास ने डी आर डी ओ के लिए किए गए उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रदान किए जाने के लिए पहली बार प्रयोगशाला के आजीवन उपलब्धि पुरस्कार (लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड) की संस्थापना की। यह पुरस्कार श्री जे के बाजपेयी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा वैज्ञानिक

'एच'; श्री अवनीश कुमार, वैज्ञानिक 'जी'; श्री बी एस चौहान, वैज्ञानिक 'जी'; एवं डॉ (स्वर्गीय) अनिल कुमार राजदान, वैज्ञानिक 'जी' को पूरे करियर के दौरान डी आर डी ओ में अपनी विलक्षण प्रतिभा को प्रदर्शित करते हुए उल्लेखनीय योगदान करने के लिए प्रदान किया गया। अपने संबोधन में डॉ दास ने हमारे सशस्त्र बलों के लिए गुणवत्ता, विश्वसनीयता तथा उन्नत कार्य निष्पादन युक्त एवं समस्त समकालीन प्रणालियों से बेहतर प्रदर्शन करने वाली अगली पीढ़ी की आयुध प्रणालियों को विकसित करने तथा समय से उनकी सुपुर्दगी करने के संबंध में अपना दृष्टिकोण साझा किया। आपने कहा कि रोबोटिक्स सैनिक, ऑप्ट्रोनिक शील्ड तथा टेस्ट सिमुलेटर भविष्य के लिए गेम चेंजर साबित होंगे।

प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम), मसूरी

प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम), मसूरी ने 26 फरवरी 2022 को अपनी स्थापना के हीरक जयंती समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन लेफ्टिनेंट जनरल अनिल कुमार भट्ट, पी वी एस एम, यू वाई एस एम, ए वी एस एम, एस एम, वी एस एम (सेवानिवृत्त), तथा श्री एस ए कट्टी, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक आई टी एम ने किया। लेफ्टिनेंट जनरल भट्ट ने अपने संबोधन में राष्ट्र निर्माण तथा रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में डी आर डी ओ द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण क्रियाकलापों पर प्रकाश डाला।

उत्सव के एक हिस्से के रूप में, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, नारा लेखन प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा खेलकूद जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस समारोह के दौरान स्थानीय हिंदी



पत्रिका 'सृजन' का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय हिंदी पत्रिका 'सृजन' का भी विमोचन किया गया। श्री एस ए कट्टी, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, आई टी एम ने इस समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि को धन्यवाद दिया। अपने संबोधन में, निदेशक आई टी एम ने पिछले वर्ष के दौरान आई टी एम द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों

पर प्रकाश डाला तथा इस उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए 'टीम आई टी एम' द्वारा किए गए योगदान के लिए बधाई दी। आपने सभी कर्मचारियों को भविष्य के प्रयासों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन श्रीमती अनीता मोहिंद्रा, वैज्ञानिक 'एफ' के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई) ने

राजभवन में आयोजित वसंत महोत्सव में भाग लिया

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून ने राजभवन, उत्तराखंड में 8-9 मार्च 2022 के दौरान आयोजित किए गए दो दिवसीय वसंत महोत्सव 'वसंतोत्सव' में भाग लिया। उत्तराखंड

के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरभीत सिंह ने इस महोत्सव का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न पुष्प कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में राज्य के लगभग 30 विभागों ने भाग लिया।

निदेशक, आई आर डी ई के बंगले 'विकास भवन' को राज्य पुष्प प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आई आर डी ई ने फ्लोरल प्लांट पिरामिड का प्रदर्शन किया जिसे तीसरा पुरस्कार मिला।



राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस / सप्ताह का आयोजन

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर में 4 मार्च 2022 को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस / सप्ताह मनाया गया। श्री एच के रथ, निदेशक, आई टी आर ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा आई टी आर, चांदीपुर के सभी कर्मचारियों को सुरक्षा एवं स्वास्थ्य की शपथ दिलाई। अपने उद्घाटन भाषण में आपने परिसर परिदृश्यों में सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। आपने पूरे वर्ष परिसर में शून्य दुर्घटना की स्थिति को बनाए



राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर श्री एच के रथ, निदेशक, आई टी आर।

रखने के लिए सभी कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

आई टी आर के टेलीमेट्री निदेशालय तथा श्री रामचंद्र भंज, तकनीशियन 'बी' एवं श्री अमूल्य

कुमार दास, एम टी एस को वर्ष 2021-22 के लिए क्रमशः सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा जागरूक निदेशालय तथा सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा मॉनिटर के रूप में

चुना गया तथा उन्हें ट्रॉफी, प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. एस के साहू, वैज्ञानिक 'ई' समूह निदेशक

(एफ आई एंड ई एस) तथा अध्यक्ष, सुरक्षा समिति एवं आपकी टीम द्वारा किया गया था।

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल), अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल), अंबरनाथ में सभी कर्मचारियों के बीच सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के संबंध में जागरूकता का प्रसार करने के लिए 4 से 10 मार्च 2022 के दौरान बड़े उत्साह के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, सकारात्मक सुरक्षा

संस्कृति विकसित करने, कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए प्रेरित करने, सुरक्षा से जुड़े विभिन्न क्रियाकलापों में कर्मचारियों की भागीदारी को बढ़ावा देने तथा सुरक्षा प्रणालियों एवं सुरक्षा कार्यक्रम के बारे में उन्हें जागरूक बनाने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया था। सुरक्षा सप्ताह के दौरान प्रदर्शन-सह-प्रशिक्षण सत्रों में आपात स्थिति में अग्नि पीड़ितों की देखभाल करने के साथ-साथ आग लगने की काल्पनिक स्थिति में नकली बचाव अभ्यास भी किया गया। फायर एंड सेपटी ग्रुप ने अग्निशामक यंत्रों के संचालन तथा उपयोग, उनके प्रकार, आग लगने की आपात स्थिति में प्रयोग में लाए जाने वाले प्रोटोकॉल, फायर हाइड्रेंट की जानकारी आदि के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया। एम आई कक्ष के विशेषज्ञों ने विशेष रूप से अम्ल से जलने, आग से

जलने, बिजली का झटका लगने तथा बेहोश आदमी का उपचार करने, आदि जैसी आपात स्थिति में पीड़ितों की देखभाल करने के बारे में जानकारी प्रदान की। निबंध एवं नारा लेखन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई थीं। 7 मार्च 2022 को श्री आर अप्पावुराज, अध्यक्ष, सेपटेम द्वारा "टेस्ट रेंज में सुरक्षा अभ्यास" पर एक व्याख्यान दिया गया। इस व्याख्यान को एन एम आर एल के कर्मचारियों ने काफी ध्यान देकर सुना। इस अवसर पर कर्मचारियों को निदेशक, एन एम आर एल द्वारा सुरक्षा एवं स्वास्थ्य शपथ दिलाई गई। 7 मार्च 2022 को आयोजित समारोह के दौरान एन एम आर एल के पॉलिमर विज्ञान और प्रौद्योगिकी निदेशालय (पी एस टी डी) को "सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा पद्धति अपनाने वाला विभाग ट्रॉफी-2021" प्रदान किया गया।



मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए निदेशक, एन एम आर एल।

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर में पर्यावरण सुरक्षा

जागरूकता पाठ्यक्रम का आयोजन

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर में 9-10 मार्च 2022 के दौरान "औद्योगिक और

पर्यावरण सुरक्षा जागरूकता" पर एक एस टी सी पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। श्री एच के रथ,

निदेशक, आई टी आर ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण के दौरान निदेशक, आई टी



आर ने ऐसे एस टी सी पाठ्यक्रम को आयोजित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला तथा किसी भी बड़ी दुर्घटना से बचने के लिए परीक्षण परिसर में कड़े सुरक्षा उपायों को लागू करने पर बल दिया।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों में औद्योगिक एवं पर्यावरणीय सुरक्षा तथा आपातकालीन तैयारियों एवं दुर्घटना के घटित होने की स्थिति में

सुरक्षा उपायों को लागू करने के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना था।

इस एस टी सी पाठ्यक्रम में औद्योगिक एवं पर्यावरण सुरक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों (सिद्धांत और व्यवहार दोनों) को शामिल किया गया था। आई टी आर से अड़तीस प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

श्री सुब्रत पाणिग्रही, निदेशक, गुणवत्ता एवं पर्यावरण प्रबंध सेवा संस्थान (आई क्यू ई एम एस), भुवनेश्वर तथा उनकी टीम ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया।

पाठ्यक्रम का आयोजन पाठ्यक्रम निदेशक डॉ एस के साहू, वैज्ञानिक 'एफ' और उनकी टीम द्वारा किया गया था।

विज्ञान सप्ताह का आयोजन

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए विज्ञान प्रसार तथा मिजोरम विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद (एम आई एस टी आई सी) द्वारा आइजोल, मिजोरम तथा नागालैंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा कोहिमा,



नागालैंड में आयोजित कार्यक्रम "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" (विज्ञान महोत्सव) में सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ वनलाल्हमौका, वैज्ञानिक 'ई' ने 23 फरवरी 2022 को "विज्ञान के इतिहास के पन्नों से" विषय के तहत "डी आर डी ओ का इतिहास" विषय

पर एक व्याख्यान दिया। आइजोल में आयोजित किए गए कार्यक्रम में दिए गए अपने व्याख्यान में आपने सशस्त्र बलों के लिए डी आर डी ओ द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डाला। श्री दया लामा, वैज्ञानिक 'ई' ने 25 फरवरी 2022 को

'सतत भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' विषय के तहत 'सैन्य उपकरणों की विश्वसनीयता पर आर्द्रता का प्रभाव तथा इस प्रभाव को कम करने के लिए निराद्रीकरण प्रौद्योगिकी का प्रयोग' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम द्वारा 'ऑनलाइन पाठ्यक्रम' का आयोजन

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम द्वारा 'कंपन एवं शोर नियंत्रण में उभरते रुझान' विषय पर 21-25 फरवरी 2022 के दौरान एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए डॉ वी भुजंग राव, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक (एन एस एंड एम) (सेवानिवृत्त) ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया जिसके पश्चात डॉ के जगदीसन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), आर सी आई, डी आर डी ओ ने पाठ्यक्रम का पहला व्याख्यान देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

श्री पी वी एस गणेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा पाठ्यक्रम निदेशक ने प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम



की विषय वस्तु के बारे में संक्षेप में बताया। आपने कहा कि पाठ्यक्रम में विशेषकर रक्षा अनुप्रयोगों के लिए कंपन एवं शोर नियंत्रण हेतु प्रयोग में लाए जा रहे नवीनतम रुझानों के संबंध में व्यापक पाठ्यसामग्री शामिल की गई है। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि डॉ राव ने सैन्य तथा वांतरिक्ष अनुप्रयोगों में कंपन और शोर नियंत्रण के महत्व पर बल दिया। डॉ जगदीसन ने कहा कि कंपन एवं शोर प्रक्षेत्र की बारीकियों को सीखने के लिए यह पाठ्यक्रम अत्यधिक उपयोगी है। डॉ समीर वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एन एस एंड एम) ने पाठ्यक्रम के आयोजकों की सराहना

की तथा डी आर डी ओ एवं भारतीय नौसेना दोनों से पाठ्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के शामिल होने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

इस पाठ्यक्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी) खड़गपुर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी) चेन्नई, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी) भुवनेश्वर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी) हैदराबाद, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एन आई टी) वारंगल जैसी संस्थाओं से प्रख्यात वक्ता एवं विशेषज्ञ तथा आंध्र विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तान विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा व्याख्यान दिए गए।



पाठकों की राय

(आपकी राय हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमें इस पत्रिका को और अधिक परिमार्जित करने का अवसर प्राप्त होगा तथा ऐसा करके हम अपने संगठन की बेहतर सेवा कर पाएंगे)

1. स्थापना का नाम : _____
2. आप डीआरडीओ द्वारा किए जा रहे प्रौद्योगिकी तथा उत्पाद विकास को उपयुक्त रूप में प्रस्तुत करने के एक माध्यम के रूप में डीआरडीओ समाचार का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
3. आप डीआरडीओ समाचार में शामिल की गई तकनीकी सामग्रियों का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
4. आप डीआरडीओ समाचार में शामिल किए गए चित्रों की गुणवत्ता का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
5. आप डीआरडीओ समाचार को उपयुक्त रूप में कितने पृष्ठों की पत्रिका के रूप में देखना चाहते हैं?
8 पृष्ठ 12 पृष्ठ 16 पृष्ठ 20 पृष्ठ
6. आप डीआरडीओ समाचार को किस माध्यम में पसंद करेंगे?
मुद्रित ई-प्रकाशन वीडियो पत्रिका
7. आपको डीआरडीओ समाचार की प्रति कब प्राप्त होती है?
 प्रकाशन के पूर्ववर्ती महीने में
 प्रकाशन के माह में
 प्रकाशन के अगले महीने
8. डीआरडीओ समाचार में निहित तकनीकी सामग्री में आगे और सुधार लाने के लिए आपके सुझाव :
.....
.....
.....

नाम : पदनाम :

संगठन का नाम :

दूरभाष : ई-मेल :

पता :



डीआरडीओ समाचार अपने प्रकाशन के पैंतीसवें वर्ष में है। यह प्रकाशन रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) का मुख पत्र है। यह प्रकाशन डीआरडीओ की वेब साइट पर पीडीएफ रूप में उपलब्ध है। इस प्रकाशन को अपने पते पर मंगवाने के लिए कृपया निदेशक, डेसीडॉक को लिखें।

कृपया अपने सुझाव निम्नलिखित पते पर भेजें

संपादक, डीआरडीओ समाचार, डेसीडॉक, डीआरडीओ, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054

दूरभाष : 011-23902403 फैक्स : 011-23819151

ई-मेल : director.desidoc@gov.in

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम में दो दिवसीय ओपन हाउस प्रदर्शनी-2022 का आयोजन



नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम में 25 से 26 फरवरी 2022 के दौरान दो दिवसीय ओपन हाउस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। एन एस टी एल कैंपस, विशाखापत्तनम स्थित रामनाथ सेकेंडरी स्कूल में आयोजित की गई इस प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ वाई श्रीनिवास राव, निदेशक, एन एस टी एल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए डॉ राव ने कहा

कि एन एस टी एल द्वारा स्वदेशी तकनीकों का प्रयोग करके विकसित किया गया वरुणास्त्र टॉरपीडो आई एन एस विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना के युद्धपोत पर तैनात कर दिया गया है। आपने यह भी बताया कि एन एस टी एल द्वारा विकसित की गई इन्फ्रारेड सिग्नेचर सप्रेसन (आई आर एस एस) पर आधारित दुश्मन के रडार से बच निकलने में सक्षम स्टेल्थ तकनीक को भी नौसेना को सौंप दिया गया है। प्रयोगशाला ने टॉरपीडो एडवांस्ड लाइटवेट (टी ए एल) भी विकसित किया है।

प्रयोगशाला द्वारा विकसित की गई एंटी टॉरपीडो डेकॉय प्रणाली एवं उससे संबंधित अभिकल्प सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बी डी एल) एवं अन्य विनिर्माताओं को उत्पादन के लिए सौंपे जा रहे हैं।

प्रदर्शनी में नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल) द्वारा विकसित किए गए विभिन्न उत्पादों – वरुणास्त्र, मारीच-डेकॉय प्रणाली एवं अंतर्जलीय विस्फोटक सुरंगों (अंडर वाटर माइंस) को प्रदर्शित किया गया।

वैमानिकी विकास स्थापना (ए डी ई) में उत्कर्ष-2022 का आयोजन

वैमानिकी विकास स्थापना (ए डी ई), कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), रक्षा जैव अभियांत्रिकी तथा वैद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल) तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) से संबंधित शोध कार्यों के लिए समर्पित डी आर डी ओ युवा वैज्ञानिक प्रयोगशाला (डी वाई एस एल) द्वारा संयुक्त रूप से संचालित की गई संयुक्त राजभाषा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संगोष्ठी उत्कर्ष-2022 का आयोजन वैमानिकी विकास स्थापना (ए डी ई) द्वारा श्री वाई दिलीप, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, ए डी ई की अध्यक्षता में 17-18 फरवरी 2022 को किया गया। श्री जयकुमार वेंकटरमन, वैज्ञानिक 'एच' तथा सह निदेशक, एल आर डी ई इस समारोह के मुख्य अतिथि



थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा उत्कर्ष-2022 की स्मारिका का विमोचन किया गया।

इस संगोष्ठी में श्री श्रीनिवास रेड्डी जी, वैज्ञानिक 'जी' तथा अध्यक्ष-उत्कर्ष 2022 एवं श्री अखिलेश कुमार झा, वैज्ञानिक 'एफ' तथा उपाध्यक्ष-उत्कर्ष-2022 की अध्यक्षता में कुल 48 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। समापन समारोह का आयोजन श्री शशिकांत सीसी, वैज्ञानिक 'जी' तथा समूह-निदेशक (एम एंड एस) की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर डी आर डी ओ मुख्यालय

से डॉ रवींद्र सिंह, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, राजभाषा निदेशालय इस संगोष्ठी में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। आपने कहा कि राजभाषा का प्रयोग केवल प्रशासन तक ही सीमित न होकर अन्य क्षेत्रों में भी किया जाना चाहिए। श्री शशिकांत ने अपने संबोधन में वैमानिकी विकास स्थापना (ए डी ई) को उत्कर्ष-2022 के आयोजन का अवसर देने के लिए निदेशक, राजभाषा को धन्यवाद दिया। आपने शोध पत्र लेखकों को छह सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र तथा पुरस्कार प्रदान किए।

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), हैदराबाद में अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संगोष्ठी का आयोजन

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), हैदराबाद ने 6-7 जनवरी 2022 के दौरान पहली अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक और तकनीकी संगोष्ठी (हैदराबाद क्लस्टर -1) की मेजबानी की। संगोष्ठी का प्रतिपाद्य विषय

“स्वतंत्रता के 75 वर्ष तथा डी आर डी ओ की गौरवमयी यात्रा” था। संगोष्ठी का आयोजन उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), विशेष परियोजना

निदेशालय (डी एस पी), नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम तथा संज्ञानात्मक प्रौद्योगिकियों से संबंधित शोध कार्यों के लिए समर्पित डी आर डी ओ युवा वैज्ञानिक प्रयोगशाला (डी वाई एस एल-सी टी) द्वारा संयुक्त

रूप से किया गया था। डॉ बी एच वी एस नारायण मूर्ति, महानिदेशक (एम एस एस) संगोष्ठी के मुख्य अतिथि तथा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित डॉ रवींद्र सिंह, निदेशक, संसदीय कार्य, राजभाषा, एवं ओ एंड एम निदेशालय इस संगोष्ठी के सर्वाधिक सम्मानित अतिथि थे। डॉ एम राम मनोहर बाबू, निदेशक, ए एस एल; श्री यू राजा बाबू, निदेशक, आर सी आई; डॉ वाई श्रीनिवास राव, निदेशक, एन एस टी एल; डॉ पी एस आर श्रीनिवास शास्त्री, निदेशक, डी एस पी; डॉ ए के सिंह, डी एल आर एल; श्री दुर्गेन्द्र पांडे, डी वाई एस एल



– सी टी; तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ संजय आनंदराव खलाणे ने इस अवसर पर उपस्थित होकर संगोष्ठी की शोभा बढ़ाई। ओम प्रकाश जोगिंदर सिंह विश्वविद्यालय, राजस्थान; इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड; केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान (सी आर आई डी ए); भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान; तथा हैदराबाद

विश्वविद्यालय सहित विभिन्न डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं से कुल मिलाकर लगभग 81 शोध पत्र प्राप्त हुए। श्री नील दूबे, निदेशक, एम एस, ए एस एल समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे। संगोष्ठी के समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए तथा प्रशासनिक शब्दावली की पुस्तक प्रदान गई।

राजभाषा संगोष्ठी-अमृतवाणी



वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलुरु ने डी आर डी ओ की बेंगलुरु स्थित विभिन्न प्रयोगशालाओं अर्थात्, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), सैन्य

उड़नयोग्यता प्रमाणन केंद्र (सेमीलेक), सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र (एम टी आर डी सी), युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (सी ए एस डी आई सी) के सहयोग से अनुसंधान एवं

विकास क्रियाकलापों में राजभाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए दो दिवसीय राजभाषा वैज्ञानिक तथा तकनीकी संगोष्ठी 'अमृतवाणी –2021' का आयोजन किया। इस दो दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम का



आयोजन वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), परिसर में किया गया था। संगोष्ठी का मुख्य विषय प्रगतिशील स्वतंत्र भारत की निरंतर प्रगति की दिशा में स्वतंत्र उड़ान के 75 वें वर्ष पूरे होने पर देशभर में मनाए जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' के प्रतिपाद्य विषय के समनुरूप था। यह डी आर डी ओ की स्थापना के बाद से इसके द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्राप्त की गई उपलब्धियों का जश्न मनाने और राजभाषा हिंदी में उसे प्रदर्शित करने का एक गौरवपूर्ण अवसर था। कार्यक्रम का उद्घाटन यू आर राव सैटेलाइट सेंटर, बंगलुरु के निदेशक श्री एम शंकरन, विशिष्ट वैज्ञानिक द्वारा किया गया। इस अवसर पर

दिए गए अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि ने प्रशासनिक और तकनीकी कार्यों में हिंदी के प्रयोग के महत्व पर बल दिया।

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स) के निदेशक श्री एम जेड सिद्दीकी, विशिष्ट वैज्ञानिक ने संगोष्ठी में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा उन्हें संगोष्ठी के दौरान चर्चा की जाने वाली रक्षा प्रौद्योगिकियों से संबंधित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषयों की विस्तृत श्रृंखला के बारे में जानकारी दी। संगोष्ठी में संसदीय कार्य, राजभाषा, एवं ओ एंड एम निदेशालय के सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री सुजीत कुमार मेहता की उपस्थिति विज्ञान एवं तकनीकी विषयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को

बढ़ावा देने की दृष्टि से प्रतिभागियों के लिए अत्यधिक उपयोगी सिद्ध हुई। संगोष्ठी में बंगलुरु, बालासोर, चंडीगढ़, हैदराबाद तथा नई दिल्ली स्थित डी आर डी ओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं एवं अन्य शोध संस्थानों के प्रतिभागियों ने छह तकनीकी सत्रों के दौरान अपना शोध कार्य हिंदी में प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त डी आर डी ओ मुख्यालय से डॉ रवींद्र सिंह, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, संसदीय कार्य, राजभाषा, एवं ओ एंड एम निदेशालय ने संगोष्ठी के समापन समारोह के दौरान संगोष्ठी में उपस्थित जनों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया तथा संगोष्ठी के भव्य आयोजन के लिए कैब्स की टीम को बधाई दी।

भारतीय नौसेना के चिकित्सा अधिकारियों के लिए विकिरण चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन

नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली द्वारा भारतीय नौसेना के चिकित्सा अधिकारियों के लिए 'विकिरण चिकित्सा तथा विकिरण आपात स्थितियों के प्रबंधन' विषय पर 14-25 फरवरी 2022 के दौरान दो सप्ताह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। चिकित्सा

सेवा महानिदेशक (नौसेना) द्वारा नामित ऐसे पांच नौसेना चिकित्सा अधिकारी जो विशाखापत्तनम स्थित परमाणु पनडुब्बी प्लेटफार्मों तथा नौसेना के अन्य प्रतिष्ठानों में काम कर रहे हैं या जिनके द्वारा ऐसे प्रतिष्ठानों में काम किया जाना है, इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शामिल हुए। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को विकिरणकी तथा नाभिकीय आपात

स्थितियों में उपस्थित होने वाले परिदृश्यों का सामना करने के लिए आवश्यक जानकारी तथा व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। प्रशिक्षण का प्रयोजन परमाणु ऊर्जा से चलने वाले युद्ध पोतों तथा अन्य प्लेटफार्मों एवं प्रतिष्ठानों में रेडियोधर्मी संदूषण तथा विकिरण जोखिम उत्पन्न होने पर प्रस्तुत आपात स्थितियों से निपटने के लिए नौसेना के चिकित्सा

अधिकारियों की तैयारी को समुन्नत बनाना तथा ऐसी स्थिति में उनके द्वारा की जाने वाली तत्पर करवाई को और अधिक सुदृढ़ बनाना था। पाठ्यक्रम के दौरान आयोजित किए गए विभिन्न सत्रों में इनमास के संकाय सदस्यों एवं विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सा प्रबंधन सहित रासायनिक, जैविक, वैकिरणकी एवं नाभिकीय (सी बी आर एन) आपातकालीन प्रबंधन के प्रत्येक प्रासंगिक क्षेत्र के लिए विशिष्ट सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान (बुनियादी और चिकित्सा) को कवर किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के लिए व्यावहारिक एवं प्रायोगिक प्रदर्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें फुल बॉडी काउंटर, गामा कैमरा, ह्यूमन पेशेंट सिम्युलेटर की कार्यप्रणाली का प्रदर्शन एवं रेडियोधर्मिता का पता लगाने तथा उसे समाप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली कार्य पद्धति के संबंध में प्रतिभागियों को व्यवहारिक एवं प्रायोगिक जानकारी प्रदान की गई। प्रासंगिक मामला



नौसेना अधिकारियों के साथ डॉक्टर अनिल कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक इनमास।

अध्ययन (केस स्टडी) के संबंध में व्यवहारिक जानकारी से प्रतिभागियों को जानकारी दी गई तथा संकाय सदस्यों एवं प्रतिभागियों के बीच कई दौर की चर्चा की गई ताकि उन्हें संबंधित विषय की गहन एवं व्यावहारिक जानकारी दी जा सके। उनका अधिगम मूल्यांकन करने के लिए नौसेना से संबंधित वैकिरणकी एवं नाभिकीय घटना परिदृश्य की उन्हें जानकारी दी गई तथा प्रतिभागियों के साथ विचार-विमर्श कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम

के अंत में प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त की गई जानकारी का मूल्यांकन करने के लिए एक लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में सी बी आर एन आपात स्थिति के प्रबंधन से संबंधित विस्तृत विषयों अर्थात् सी बी आर एन आपात की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा, संसूचन, विसंदूषण से संबंधित उपायों एवं उत्पन्न जोखिम से बचाव के लिए की जाने वाली तात्कालिक कार्रवाई तथा चिकित्सा प्रबंधन से संबंधित प्रश्नों को शामिल किया गया था।

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई) में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) के अनुप्रयोग विषय पर वेबिनार का आयोजन

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई) ने बिरला इंस्टीट्यूट

ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स), पिलानी के सहयोग से 'वैद्युत प्रकाशीय संसरो' के लिए कृत्रिम

बुद्धिमत्ता (ए आई) का अनुप्रयोग' विषय पर 4 फरवरी 2022 को एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन



किया। इस कार्यक्रम में वर्चुअल प्लेटफार्म के माध्यम से लगभग 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस वेबिनार में विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) के अनुप्रयोग विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।

वेबिनार का उद्घाटन बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स), पिलानी के निदेशक प्रो सुधीर कुमार बरई की अध्यक्षता में हुआ। डॉ बी के दास, उत्कृष्ट

वैज्ञानिक तथा निदेशक, आई आर डी ई इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में डॉ दास ने विभिन्न रक्षा अनुप्रयोगों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) तथा तंत्रिका नेटवर्क के महत्व पर जोर दिया। आपने इंटेलिजेंट कम्प्यूटेशनल आर्किटेक्चर, हाई बैंडविड्थ ऑन-चिप मेमोरी, सिनैप्टिक मेमोरी तथा डीप न्यूरल नेटवर्क से युक्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) के प्रयोग पर प्रकाश डाला।

आपने यह भी सुझाव दिया कि युवा वैज्ञानिकों, अभियंता तथा स्टार्ट-अप समूहों द्वारा हमारे रक्षा बलों को मजबूत करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) के विषय पर अपनी विशिष्ट जानकारी को प्रस्तुत किया जाना चाहिए जो भविष्य में गेम-चेंजर सिद्ध होगा। आपने ड्रीमज़ अनलिमिटेड प्रोग्राम का प्रस्ताव रखा, जिसमें हर छात्र एवं स्टार्टअप कुछ अनोखे विचार साझा कर सकते हैं तथा कुछ बेहतरीन विचारों को हार्डवेयर के रूप में लागू किया जाएगा। व्याख्यान श्री जे पी सिंह, वैज्ञानिक 'जी' तथा डॉ अनीता सिंह, वैज्ञानिक 'ई' आई आर डी ई द्वारा दिए गए, जबकि डॉ कमलेश तिवारी, डॉ पवन अजमेरा और डॉ शिवी अग्रवाल ने बिट्स, पिलानी से व्याख्यान दिया। वेबिनार का संचालन डॉ अनीता सिंह और डॉ शिवी अग्रवाल ने किया।

कार्मिक समाचार

उच्च योध्यता अर्जन



श्रीमती सुकेशनी रावल, वैज्ञानिक 'ई' को उनके द्वारा 'प्रज्वालक सम्मिश्र पदार्थों के अग्नि क्रीड़ा संबंधी निष्पादन पर ऊर्जा युक्त सामग्रियों का प्रभाव (इंफेक्ट ऑफ एनर्जेटिक मैटेरियल्स ऑन पायरोटेक्निक परफॉर्मेंस ऑफ इगनिटर कंपोजिंशंस)' विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध के लिए रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डी आई ए टी) (डीमड यूनिवर्सिटी) द्वारा पी एच डी (रसायन विज्ञान) की उपाधि से सम्मानित किया गया है। इस शोध प्रबंध को तैयार करने में उनके मार्गदर्शक डॉ पीके खन्ना, प्रोफेसर, डी आई ए टी (बाहरी गाइड) थे तथा डॉ (श्रीमती) सीमा डी काकड़े, वैज्ञानिक 'जी', एच ई एम आर एल (आंतरिक गाइड) थीं।



श्रीमती कविता घोष, वैज्ञानिक 'ई' को उनके द्वारा "एचटीपीबी-आधारित पॉलिमर क्ले नैनोकम्पोजिट्स को तैयार करना तथा उनका अभिलक्षण निर्धारण तथा सम्मिश्र नोदक पदार्थों का प्रयोग करके उनका मूल्यांकन करना (प्रिपरेशन एंड कैरक्टराइजेशन आफ एच टी पी बी-बेस्ड पॉलिमर क्ले नैनोकंपोजिट्स एंड देयर इवैल्यूएशन इन कंपोजिट प्रोपेलेंट)" विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध के लिए रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डी आई ए टी) (डीम्ड यूनिवर्सिटी) द्वारा पी एच डी (रसायन विज्ञान) की उपाधि से सम्मानित किया गया है। इस शोध प्रबंध को तैयार करने में उनके मार्गदर्शक डॉ शैबल बनर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, डी आई ए टी (बाहरी गाइड) तथा डॉ मनोज गुप्ता, वैज्ञानिक 'एच', एच ई एम आर एल (आंतरिक गाइड) थे।

डी आर डी ओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं में पधारे अतिथि गण

यंत्र अनुसंधान तथा विकास
स्थापना (आई आर डी ई),
देहरादून



यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना
(आई आर डी ई), देहरादून के दौरे पर प्रौद्योगिकी
प्रबंध संस्थान (आई टी एम), मसूरी के निदेशक
श्री एस ए कट्टी।

प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम), मसूरी के निदेशक श्री एस ए कट्टी 4 जनवरी 2022 को यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून के दौरे पर आए। इस अवसर पर डॉ बी के दास, निदेशक आई आर डी ई ने स्थापना में पधारे अतिथि का स्वागत किया। आपने श्री कट्टी, निदेशक,

आई टी एम को आई आर डी ई द्वारा विकसित उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों के बारे में विस्तार से बताया। श्री कट्टी ने इन उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों में गहरी रुचि प्रदर्शित की तथा आपने प्रयोक्ताओं के लिए वैद्युत प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करने में आई आर डी ई द्वारा किए जा रहे कार्य की सराहना की।

नौसेना भौतिक तथा समुद्र
विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ
एल), कोच्चि

डॉ समीर वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एन एस एंड एम) ने 24 से 25 फरवरी 2022 के दौरान नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि का दौरा किया। इस अवसर पर श्री एस विजयन पिल्लई, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन पी ओ एल ने महानिदेशक (एन एस एंड एम) का स्वागत किया तथा उन्हें

एन पी ओ एल द्वारा किए जा रहे विभिन्न परियोजना क्रियाकलापों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। डॉ कामत ने एन पी ओ एल द्वारा किए जा रहे एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की। आपने तकनीकी समूहों द्वारा किए जा रहे प्रौद्योगिकी विकास क्रियाकलापों की भी समीक्षा की।

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी
प्रयोगशाला (एन एस टी एल),
विशाखापत्तनम

माननीय केंद्रीय पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस एवं श्रम व रोजगार राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली ने 22 जनवरी 2022 को नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ वाई श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक एन एस टी एल ने प्रयोगशाला के दौरे पर आए

महानुभाव को प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। मंत्री जी ने प्रयोगशाला के विभिन्न कार्य केंद्रों का दौरा किया जिस दौरान उन्हें एन एस टी एल द्वारा अंतर्जलीय आयुधों, बैटरियों एवं युद्धपोत प्रौद्योगिकियों

के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों से अवगत कराया गया। आपने लिथियम-आयन बैटरी विकास केंद्र का भी दौरा किया तथा प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की सराहना की।

डॉ ए श्रीनिवास कुमार, वरिष्ठ

वैज्ञानिक ने मंत्री जी को एन एस टी एल द्वारा विकसित की जा रही बैटरी प्रौद्योगिकियों के सैन्य और नागरिक अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी दी।



एन एस टी एल द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों में गहरी रुचि दर्शाते हुए माननीय केंद्रीय पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस एवं श्रम व रोजगार राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली।

डेसीडॉक, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110 054 द्वारा प्रकाशित

कृपया अपने सुझाव निम्न पते पर भेजें :

सम्पादक,

डीआरडीओ समाचार,

डेसीडॉक, डीआरडीओ,

मेटकॉफ भवन, दिल्ली - 110054